एयरपोर्ट से पहले चमकेगा ग्रेनो, आएगी निवेश की बड़ी योजना

100 से अधिक भूखंडों की स्कीम जल्द, उद्योगों और आईटी कंपनियों को मिलेगा मौका, रोजगार के हजारों अवसर होंगे सृजित

शशांक मिश्र

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के संचालन से पहले ग्रेनो प्राधिकरण ने क्षेत्र के सभी सेक्टरों को निवेश हब में बदलने की दिशा में तैयारी शुरू कर दी है। योजना के तहत 100 से अधिक औद्योगिक, आईटी और अन्य व्यवसायिक भूखंडों की योजना जल्द लाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसका उद्देश्य हर सेक्टर को विकसित बनाना और एयरपोर्ट के संचालन से पहले निवेशकों को अवसर देना है।

नोएडा एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरीफेरल और बुलेट ट्रेन जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के बीच बसे ग्रेटर नोएडा को उत्तर भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बनाने का रोडमैप सामने आया है। अधिकारियों के अनुसार, यहां तीन वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का पूंजी निवेश और 20,000 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। यह योजना केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं होगी, बल्कि आईटी, वेयरहाउसिंग, स्टार्टअप हब, इनक्यूबेशन सेंटर, और लॉजिस्टिक्स जोन तक विस्तारित की जाएगी। योजना का मुख्य फोकस है कि आने वाले वर्षों में ग्रेटर नोएडा को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

डिजिटल आवेदन और पारदर्शी आवंटन

नई योजना को डिजिटल पोर्टल से लॉन्च किया जाएगा। इसमें आवेदन से लेकर भूखंड आवंटन तक की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी। छोटे और बड़े निवेशकों के लिए अलग-अलग भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे संतुलित औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बन सके। यह भी प्रस्तावित है कि जिन क्षेत्रों में उद्योग और आईटी इकाइयां लगेंगी, वहां स्थानीय युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।

> हम केवल सेक्टर विकसित नहीं कर रहे, हम भविष्य का भारत बना रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने से पहले हर सेक्टर में आधारभूत ढांचे के साथ निवेश की राह खोल दी जाए। इससे आने वाले वर्षों में ग्रेनो देश की सबसे अग्रणी निवेश गंतव्यों में शामिल होगा। – **एनजी रवि कुमार, सीईओ, ग्रेनो प्राधिकरण**

इस महत्वाकांक्षी योजना से न केवल क्षेत्र में हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि स्थानीय उद्यमियों और निवेशकों को भी अपनी इकाइयों को स्थापित करने का व्यापक मौका मिलेगा। एयरपोर्ट के चलते जिस तरह रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में तेजी आ रही है, उसे देखते हुए यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, जैसे-जैसे नोएडा एयरपोर्ट की तस्वीर साफ हो रही है, देश-विदेश के निवेशकों की ग्रेटर नोएडा में रुचि तेजी से बढ़ी है। इसका लाभ उठाने को हर सेक्टर में योजनाबद्ध ढंग से भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि निवेशक एयरपोर्ट शुरू होने से पहले ही अपनी इकाइयों को स्थापित करना शुरू कर सकें।